Think IAS...

दृष्टि The Vision

Think Drishti

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (UPPSC)

निर्णयन एवं समस्या समाधान

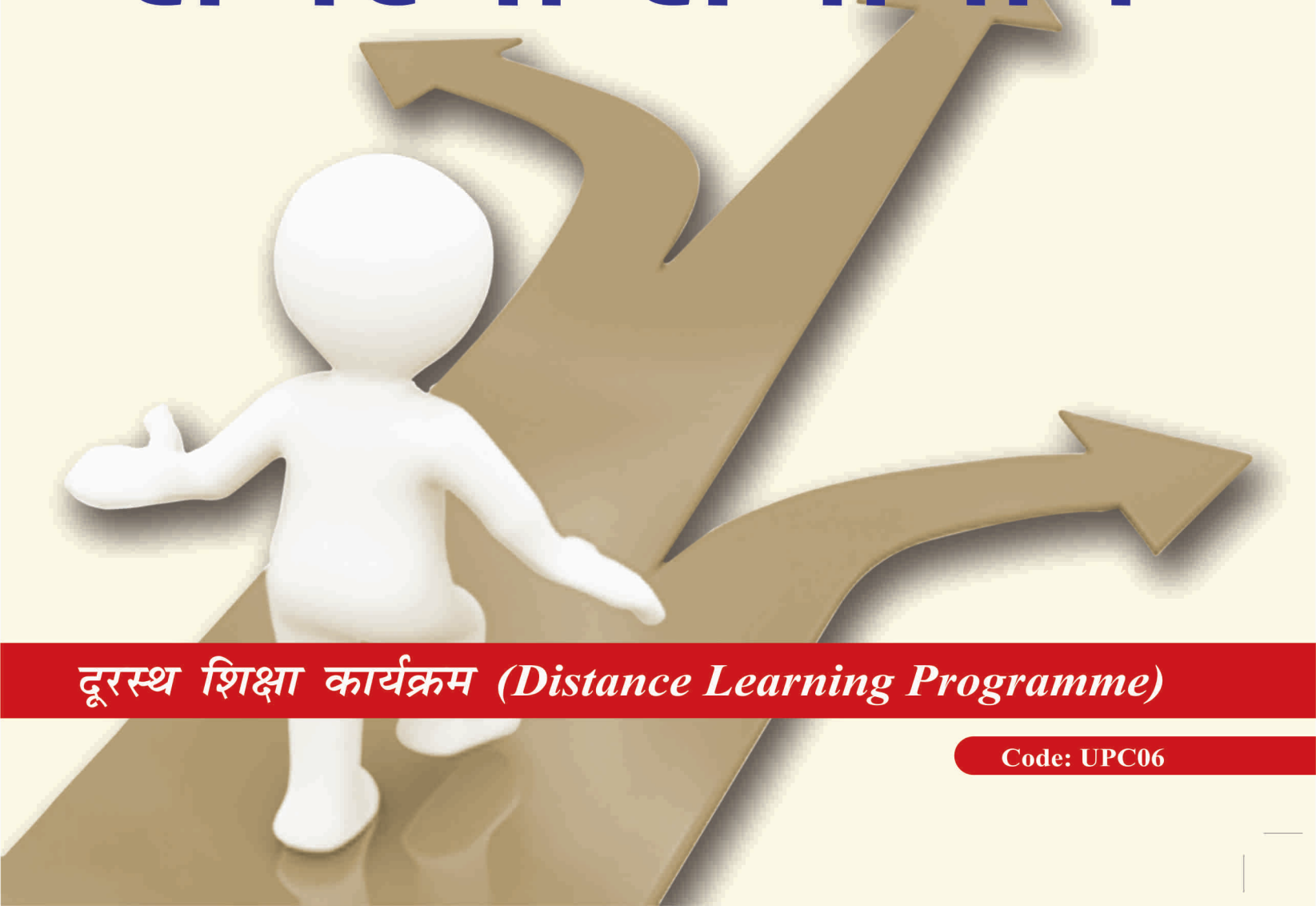

दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम (Distance Learning Programme)

Code: UPC06

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (UPPSC)

निर्णयन एवं समस्या समाधान

641, प्रथम तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501
टोल फ्री : **1800-121-6260**
Web: www.drishtiIAS.com
E-mail : online@groupdrishti.com

पाठ्यक्रम, नोट्स तथा बैच संबंधी updates निरंतर पाने के लिये निम्नलिखित पेज को "like" करें
www.facebook.com/drishtithevisionfoundation
www.twitter.com/drishtiias

UPPSC DLP विषय सूची (Contents)

- भाग-1 5 – 32
- भाग-2 33 – 69
- भाग-3 70 – 106

निर्णयन और समस्या समाधान
(Decision Making and Problem Solving)

PART-I

निर्णयन एवं समस्या समाधान का सिविल सेवा परीक्षा में अहम योगदान है। इसका उद्देश्य सिविल सेवक के नैतिक, व्यवहारिक, सामाजिक तथा अनुभव के साथ-साथ विषम परिस्थितियों में उसके व्यवहार का मूल्यांकन करना है। इस खंड से जुड़े प्रश्नों के द्वारा किसी परिस्थिति में परीक्षार्थी के नजरिये व प्रतिक्रिया को जांचने का प्रयास किया जाता है।

'निर्णयन' तथा 'समस्या समाधान' एक समान अर्थ होने के बावजूद पर्याप्त अंतर रखते हैं। निर्णयन में नैतिक, चारित्रिक तथा विधायी पहलुओं को ध्यान में रखकर निर्णय लिये जाते हैं। जबकि 'समस्या समाधान' में दी गई शर्तों सीमाओं व बाधाओं का विश्लेषण कर उपयुक्त नतीजे पर पहुँचा जाता है। इसके अलावा निर्णयन को समस्या समाधान का एक हिस्सा भी माना जाता है।

निर्णयन का अर्थ: निर्णयन का शब्दिक अर्थ दो या दो से अधिक संभावित विकल्पों में से चुनाव करना अथवा निष्कर्ष पर पहुँचना है। निर्णय प्राय: नीति, नियम, आदेश अथवा निर्देश के रूप में व्यक्त होते हैं। सिविल सेवकों को संभावित विकल्पों में से श्रेष्ठतम विकल्प का चयन करना होता है जिससे कम समय व कम लागत में योजनाबद्ध तरीके से लक्ष्यों की प्राप्ति की जा सके।

मेनले जोंस के अनुसार, "निर्णय एक समाधान होता है जो अनेकों विकल्पों की जांच कर चुना जाता है।" यह वह कदम होता है जिससे यह निश्चित होता है कि वह लक्ष्यों की प्राप्ति में दूसरे विकल्पों से अधिक कारगर है, साथ ही यह कम आपत्तियों के साथ परिणाम तक पहुँचने के लिये उपयुक्त होता है।

गोर तथा डाइसन के अनुसार, " निर्णय व्यक्तियों के सहयोगात्मक कार्यों के परिणाम हैं।" हरबर्ट ए. साइमन के अनुसार, "प्रशासनिक प्रक्रियाएँ, निर्णयात्मक क्रियाएँ होती हैं तथा निर्णय को हम पूर्वविचारों में से निकाले गए निष्कर्ष मान सकते हैं। ये निष्कर्ष बड़े निर्णयों के लिये पूर्वविचार बन जाते हैं।

प्रत्येक संगठन में, चाहे वह किसी भी प्रकार का क्यों न हो निर्णय लेने ही पड़ते हैं। इन निर्णयों का संगठन के साथ-साथ संगठन से जुड़े व्यक्तियों के जीवन पर प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से प्रभाव अवश्य पड़ता है। सही समय पर लिया गया सही निर्णय संगठन में सकारात्मक व गलत निर्णय संगठन में नकारात्मक परिवर्तन ला सकता है।

प्रशासकों तथा प्रबंधकों का सबसे महत्त्वपूर्ण कार्य निर्णय लेना ही है। उपलब्ध विकल्पों में से सर्वोत्तम विकल्प का चुनाव ही निर्णयन क्षमता को दर्शाता है। टेरी का विचार है कि 'प्रशासकों का जीवन ही निर्णय लेना है' तथा पीटर ड्रकर ने इस संबंध में कहा है कि 'प्रबंधक जो कुछ भी करता है, निर्णयों के द्वारा ही करता है।'

प्रशासन में निर्णय निश्चित प्रक्रिया के परिणाम होते हैं। अत: निर्णय सदैव अनुभव, दूरगामी प्रभाव, व्यवहारिकता, तथ्यों के विश्लेषण तथा अधिकार व कर्त्तव्यों को ध्यान में रखकर ही लिये जाते हैं।

निर्णयन के संबंध में विभिन्न विद्वानों ने अवधारणाएँ प्रस्तुत की हैं-

रे.रे. किलियंस के अनुसार, निर्णयन विभिन्न विकल्पों के चुनाव की एक सरलतम विधि है। जबकि 'हॉज एवं जॉनसन' के अनुसार, उपलब्ध विभिन्न विकल्पों में से किसी विशेष का चयन करना ही निर्णयन है। जी.एल.एस. शेकल के अनुसार, निर्णय लेना रचनात्मक मानसिक क्रिया का वह बिंदु है, जहाँ कार्य पूर्ति के लिये ज्ञान, भावना तथा कल्पना का संयोग होता है।

अर्नेस्ट डेल ने प्रशासकीय निर्णय के विषय में कहा है, 'प्रशासनिक निर्णयों से आशय उन निर्णयों से है जो कि सदैव सही प्रशासनिक क्रियाओं, जैसे, नियोजन, संगठन, कर्मचारियों की भर्ती, निदेशन, नियंत्रण, नवप्रवर्तन तथा प्रतिनिधित्व के दौरान लिये जाते हैं।

निर्णयन की प्रक्रिया के आधार पर निर्णय निम्न प्रकार के हो सकते हैं-

1. व्यक्तिगत निर्णय
2. संगठनात्मक निर्णय
3. नीतिगत निर्णय
4. प्रशासनिक एवं राजनीतिक निर्णय

पीटर ड्रकर ने निर्णय प्रक्रिया के 5 चरण बताए हैं-

1. समस्या को परिभाषित करना
2. समस्या का विश्लेषण करना
3. वैकल्पिक साधनों का विकास करना
4. सबसे अच्छे समाधान का चयन करना
5. निर्णय को प्रभावशाली क्रिया में परिणत करना

हर्बट साइमन के अनुसार निर्णय प्रक्रिया में केवल तीन स्तर होते हैं।

1. **अंवेषण क्रिया:** इसमें पता चलता है कि कब और कहाँ निर्णय लेना जरूरी है।
2. **डिजाइन क्रिया:** इसमें वैकल्पिक विधियों/विकल्पों की खोज व विकास किया जाता है।
3. **चयन क्रिया:** इसमें उपलब्ध सभी विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चुनाव किया जाता है।

निर्णय की प्रक्रिया में सर्वप्रथम समस्या के स्वरूप व प्रकृति को समझना आवश्यक है। जब तक समस्या के विषय में पूरी जानकारी प्राप्त नहीं हो जाती तब तक समाधान के विषय में विचार भी नहीं किया जा सकता है।

अत: समस्या के विश्लेषण की आवश्यकता पड़ती है। हमें यह ज्ञात करना होता है। कि समस्या के कारण क्या हैं? समस्या किस विभाग से संबंधित है, निर्णयन हेतु किन सूचनाओं की आवश्यकता होगी, निर्णयन के लिये सही दशाएँ क्या होंगी और निर्णयन किन आधारों पर लेना चाहिये इत्यादि।

विश्लेषण के पश्चात हमें विकल्पों का विकास करना होता है। किसी भी समस्या को हल करने के कई तरीकें संभव हैं। अत: सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर अधिक से अधिक वैकल्पिक मार्ग तलाशने चाहिये। तत्पश्चात गंभीरता से विचार कर ऐसे विकल्प को अपनाना चाहिये जो सर्वथा उपयुक्त हो। सर्वश्रेष्ठ विकल्प समय, व्यय, लाभ, सामग्री, श्रम आदि के आधार पर चुना जा सकता है।

उपयुक्त विकल्प चुनने के बाद तथा कार्यान्वयन से पहले इससे संबंधित व्यक्तियों को इसकी जानकारी देकर उन्हें विश्वास में लेना चाहिये।

कार्यान्वयन के पश्चात अंतिम चरण के रूप में इसका अनुगमन किया जाता है। अर्थात क्रियान्वयन किस हद तक सफल रहा तथा व्यवहार में इसका निष्पादन कैसा रहा इत्यादि।

निर्णय प्रक्रिया के उपरोक्त सभी स्तर, एक आदर्श निर्णय प्रक्रिया स्तर कहे जा सकते हैं, उपरोक्त स्तर हमें इस बात से अवगत कराते हैं कि निर्णय लेने के लिये क्या-क्या क्रियाएँ प्रयोग की जा सकती हैं। इन स्तरों को निर्णय की प्रकृति के अनुसार घटाया-बढ़ाया भी जा सकता है।

अभ्यास प्रश्न

1. साइमन द्वारा प्रस्तावित निर्णय लेने की क्रियाओं में से निम्नलिखित में से विषम प्रक्रिया बताइए:
   (a) बुद्धिपूर्ण क्रिया (b) अभिकल्प क्रिया
   (c) चयन क्रिया (d) तादात्मीकरण क्रिया
   UPPCS (Pre), 2017
2. तथ्य-सामग्री और निष्कर्ष के बीच मानसिक संयोजन कहलाता है।
   (a) स्पष्टीकरण करना (b) अनुमान लगाना
   (c) समझाना
   (d) प्रदीपन/प्रकाश डालना
   UPPCS (Pre), 2017
3. सहजज्ञान निर्णय
   (a) का प्रयोग संगठनों में नहीं होता है।
   (b) संचित निर्णय पर आधारित एक चेतन प्रक्रिया है।
   (c) अनुभव, भावनाओं और संचित फैसलों पर आधारित निर्णय है।
   (d) प्रतिबद्धता में वृद्धि के समर्थन में महत्त्वपूर्ण है।
   UPPCS (Pre), 2017
4. अधोलिखित में से कौन निर्णय प्रक्रिया का अंतिम चरण है?
   (a) समस्या की पहचान
   (b) निर्णय की प्रभावकारिता का मूल्यांकन
   (c) निर्णय मानदंड की पहचान
   (d) समस्या का समाधान करने वाले विकल्प का चयन ***UPPCS (Pre), 2017***
5. तर्कना के स्थापित नियमों के विपरीत निर्णयन प्रक्रिया में निहित है:
   (a) अन्य नियमों का गुच्छन
   (b) अनिश्चितता
   (c) विश्वसनीय सूचना
   (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
   UPPCS (Pre), 2017

(b) वहाँ के सभी लोगों को स्पष्ट करेंगे कि आप आदेश का पालन कर रहे हैं और इस आदेश को कार्यरूप देने के लिये आप कर्तव्यबद्ध हैं।

(c) आप अनुरोध करने वालों और विरोध करने वालों पर कोई ध्यान नहीं देंगे और अपना कार्य करेंगे।

(d) आप उन सभी लोगों को, जो आपको प्रशासनिक कार्य पूरा नहीं करने दे रहे हैं, चेतावनी देंगे कि ऐसा करने पर आप उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर देंगे।

93. राज्य सरकार द्वारा आयोजित एक वार्षिक सांस्कृतिक समारोह में हिस्सा लेने के लिये अनेक उच्च अधिकारी, प्रतिष्ठित व्यक्ति, विदेशी पर्यटक, स्कूली बच्चे इकट्ठा हुए। जब सांस्कृतिक समारोह अपने चरम पर था और सभी लोग इसका आनंद ले रहे थे, तभी आपने अचानक देखा कि कुछ विदेशी नशे में अशोभनीय हरकत कर रहे हैं, जिससे समारोह के कार्यक्रम कुछ समय के लिये रोक दिये गए। अब उस समारोह के आयोजन समिति का दायित्व सँभालने के कारण आप निम्नलिखित में से कौन-सा सटीक कदम अपनाएंगे?

(a) आप उन पर्यटकों को विनम्रतापूर्वक कहेंगे कि वे वहाँ से चले जाएँ नहीं तो आप उनके खिलाफ कठोर कदम उठाने के लिये बाध्य हो जाएंगे।

(b) आप पुलिस बल बुलाएंगे और उन्हें तत्काल बाहर निकलवा देंगे।

(c) आप कुछ भी नहीं करेंगे, क्योंकि सांस्कृतिक समारोह में ऐसी बातें होती रहती हैं और उनके विरुद्ध कदम उठाने पर विदेशी पर्यटकों की भावना को ठेस पहुँचेगी।

(d) आप विभाग के अपने वरिष्ठ अधिकारियों से परामर्श लेंगे कि इस परिस्थिति में कोई कदम उठाया जा सकता है या नहीं।

94. एक व्यावसायिक संगठन एक ऐसे व्यक्ति की तलाश में है, जो नेतृत्वकर्ता के रूप में कंपनी की व्यावसायिक अपेक्षाओं का प्रबंधन कर सकें मान लीजिये कि आपको उस व्यक्ति के चयन का दायित्व दिया गया है तो आप किन नेतृत्व योग्यताओं के आधार पर उसका चयन करेंगे?

(a) एक कठिन कार्य करने में प्रवीण व्यक्ति, जिसे पता है कि कार्य किस प्रकार किये जाने चाहिये।

(b) एक सक्षम व्यावसायिक नेतृत्वकर्ता जो अन्य किसी भी कार्य की तुलना में अपने कार्मिकों का ध्यान रखता है।

(c) एक ऐसा व्यक्ति, जिसके भले उसी उद्योग में न सही, लेकिन पिछले रिकॉर्ड बेहतर हैं।

(d) एक ऐसा व्यावसायिक व्यक्ति, जिसे पूरे उद्योग में सम्मान प्राप्त है।

95. भूमि के विपथन और अनेक किसानों की कृषि भूमियों से नहर के गुजारे जाने के कारण वे इसका विरोध कर रहे थे और उन्होंने राजमार्ग ठप कर दिया। एक ज़िला प्राधिकारी के रूप मे आप उन्हें शांत करने की कोशिश कर रहे हैं और एक ज्ञापन सौंपने को कह रहे हैं तथा अपना विरोध वापस लेने को कह रहे हैं। अचानक से एक समाचार आया कि नगर के एक सिनेमा हॉल में आग लग गई और बहुत सारे लोग इसमें फँस गए। इस परिस्थिति में आप कौन-सा कदम उठाएंगे?

(a) आप विरोधियों को अपना विरोध वापस लेने के लिये कहेंगे, क्योंकि एक अन्य गंभीर दुर्घटना हो चुकी है।

(b) आप तत्काल उस सिनेमा हॉल जाएंगे।

(c) आप यथाशीघ्र विरोधियों से वार्त्ता करेंगे।

(d) आप सिनेमा हॉल की स्थिति सँभालने के लिये एक अन्य सक्षम व्यक्ति से कहेंगे तब तक विरोधियों को शांत कराएंगे।

उत्तरमाला

1. (d)	2. (b)	3. (c)	4. (b)	5. (b)	6. (c)	7. (c)	8. (b)	9. (a)	10. (c)
11. (a)	12. (d)	13. (c)	14. (d)	15. (b)	16. (c)	17. (a)	18. (c)	19. (d)	20. (d)
21. (a)	22. (a)	23. (d)	24. (a)	25. (b)	26. (d)	27. (b)	28. (c)	29. (c)	30. (a)
31. (c)	32. (d)	33. (c)	34. (a)	35. (c)	36. (a)	37. (c)	38. (d)	39. (a)	40. (a)
41. (a)	42. (b)	43. (d)	44. (b)	45. (c)	46. (a)	47. (a)	48. (b)	49. (d)	50. (b)
51. (c)	52. (a)	53. (b)	54. (d)	55. (c)	56. (a)	57. (b)	58. (d)	59. (c)	60. (b)
61. (d)	62. (c)	63. (d)	64. (b)	65. (c)	66. (c)	67. (b)	68. (a)	69. (d)	70. (c)
71. (c)	72. (b)	73. (a)	74. (b)	75. (d)	76. (b)	77. (c)	78. (a)	79. (d)	80. (d)
81. (b)	82. (d)	83. (a)	84. (b)	85. (c)	86. (b)	87. (c)	88. (b)	89. (c)	90. (b)
91. (b)	92. (b)	93. (a)	94. (b)	95. (d)					

अभ्यास प्रश्नों के हल

1. तादात्मीकरण क्रिया
2. अनुमान लगाना
3. सहजज्ञान निर्णय अनुभव, भावनाओं और संचित फैसलों पर आधारित निर्णय है।
4. निर्णय की प्रभावकारिता का मूल्यांकन, निर्णय प्रक्रिया का अंतिम चरण है।
5. तर्कना के स्थापित नियमों के विपरीत निर्णयन प्रक्रिया में अनिश्चितता निहित है।
6. न्यायालयों को त्वरित निर्णय देने के लिये प्राप्त विशेष उपायों से विवादों को निपटाने में समय कम लगेगा तथा प्रत्येक विभाग के विवादों को निपटाने के लिये अधिकारियों को विशेष अधिकार देने से भी विवाद जल्दी निपटेंगे।
7. समस्या समाधान के त्रिप्रक्रम आगम के अनुसार, अंतर्दृष्टि के तीन प्रक्रम माने गए हैं।
   (i) चयनात्मक कूट संकेतन अंतर्दृष्टि
   (ii) चयनात्मक तुलना अंतर्दृष्टि
   (iii) चयनात्मक संयुक्ति अंतर्दृष्टि
8. एक सुपरिभाषित समस्या में प्रारंभिक अवस्था, लक्ष्य अवस्था, संकारक एवं नियंत्रक उपस्थित होते हैं।
9. प्रकार्यात्मक स्थिरता के कारण यह अनुभव करने की समस्या का समाधान हो सकता है कि किसी परिचित वस्तु का असाधारण तरीके से उपयोग द्वारा हो सकता है।
10. हम उसके चिल्लाने का कारण जानेंगे और उसके बाद मामले को शांत करने का प्रयास करेंगे।
11. तत्काल घायल बच्चे को पास के अस्पताल में ले जाएंगे।
12. अपसारी चिंतन तब घटित होता है जब व्यक्ति कलात्मक, साहित्यिक, वैज्ञानिक अथवा व्यवहारिक समस्याओं के विभिन्न संभावित समाधानों पर स्वतंत्र रूप से विचार करता है।
13. कलन विधि का यदि अनुसरण किया जाए तो यह सुनिश्चित कर देता है कि सही समाधान मिल जाएगा।
14. उससे मिलकर, छुट्टी के कारण के बारे में चर्चा करे और उसकी उपस्थिति की आवश्यकता के लिये उसे मनाने का प्रयास करें।
15. निर्णयन, नीति-निर्माण का पर्यायवाची नहीं है। कथन 1. व कथन 2. सही है। अतः विकल्प (b) सही है।
16. भय तथा झूठी आशा निर्णयन से संबंधी समस्या है।
17. मंडल के समक्ष अपना दृष्टिकोण उनके विचार हेतु रखेंगे।
18. आगमनात्मक तर्कणा प्रायः अव्यक्त या व्यक्त रूप में एक संभाव्यता कथन के रूप में अभिव्यक्त किया जाता है।
19. चूँकि आप एक पुलिस सुपरिटेंडेंट हैं अतः आप संबद्ध थाना अधिकारी को कहेंगे कि महिला को चिकित्सा परीक्षण के उपरांत उसका केस दर्ज करें।
20. चूँकि दोनों विद्यार्थी हैं अतः उनकी प्राथमिकता परीक्षा की तैयारी ही होनी चाहिये। अतः विकल्प (d) सही है।
21. प्रकार्यात्मक बद्धता प्रभावी समस्या समाधान में बाधक है।
22. क्रियाओं, परिणामों और आनुषंगिकताओं की धारणा को निर्णय खांचे के रूप में जाना जाता है।
23. यदि निर्णय निर्माण स्वतः शोध का प्रयोग अन्य पक्षों पर ध्यान दिये बिना करते हैं तो त्रुटियों होने की संभावना बढ़ जाती है।
24. निर्णय लेने में किसी न्यायदर्श का निर्णय समानता और यादृच्छिक लगने वाले रूप में प्रतिनिधिक स्वतःशोध कहलाता है।
25. निर्णय लेने की प्रक्रिया के चरण निम्न हैं:
   (i) समस्या को परिभाषित करना
   (ii) प्रतिबंधक तत्वों की पहचान करना
   (iii) समाधान हेतु संभावित विकल्प की तलाश करना
   (iv) एक नियंत्रिण एवं मूल्यांकन तंत्र को स्थापित करना।

   इस प्रकार कोई भी विकल्प सही नहीं है।
26. एक ऐसा सामूहिक प्रयास जो वैकल्पिक विचार उत्पन्न कर एक प्रबंधक को समस्या का समाधान करने में सहायता करता है, मस्तिष्कीय झंझायन कहलाता है।
27. निर्णय लेने की एक संख्यात्मक तकनीक जो निर्णय पथों के संपूर्ण संभावित विकल्प दर्शाती है, एक निर्णय क्रम कहलाता है।
28. एक मैनेजर या प्रबंधक निर्णय लेने के लिये पूर्ण रूप से केवल अपने ऊपर ही निर्भर नहीं रहता।
29. उपरोक्त परिस्थिति के संदर्भ में विकल्प (C) सबसे उपयुक्त है।
30. प्रश्न में प्रयुक्त परिस्थिति में गढ़ने के रूप में गोचर कहलाता है।

PART-II

निर्देश: इस खंड के प्रत्येक प्रश्न में एक परिस्थिति का उल्लेख किया गया है और उसके बाद उस परिस्थिति से संबंधित चार संभावित प्रतिक्रियाएँ दी गई हैं। आपको उस प्रतिक्रिया का चयन करना है जो आपको सबसे उपयुक्त लगती है। आपको प्रत्येक प्रश्न से केवल एक ही प्रतिक्रिया का चयन करना है। प्रतिक्रिया का मूल्यांकन दी गई परिस्थिति के अनुरूप उपयुक्तता के स्तर के आधार पर होगा?

1. एक नाव पानी में डूबने वाली है। आप बचाव दल के प्रमुख हैं। नाव के पास पहुँचकर आप समझ गए हैं कि संभवत: सभी यात्रियों को न बचाया जा सकें नाव में निम्नलिखित छ: लोग हैं:

   1. एक 5 साल का बच्चा।
   2. गर्भवती महिला, जो बच्चे की माँ है।
   3. घर का इकलौता कमाने वाला पुरुष, जो बच्चे का पिता है।
   4. 65 साल की महिला जो पुरुष की माँ है।
   5. 65 साल का पुरुष, जो इस महिला का पति है।
   6. नाव चलाने वाला नाविक।

   आप इन्हें किस क्रम में बचाएंगे:

   (a) 3, 1, 2, 4, 5, 6 (b) 2, 1, 3, 4, 5, 6
   (c) 2, 1, 3, 5, 4, 6 (d) 1, 2, 3, 5, 4, 6

2. आप भारतीय राजस्व सेवा के अंतर्गत एक ज़िले में 'उपायुक्त, आयकर' के पद पर कार्यरत हैं। आपको अपने निजी सहायक के पद पर काम करने के लिये एक व्यक्ति की नियुक्ति करनी है। प्राप्त हुए सैकड़ों आवेदनों में से एक लंबी प्रक्रिया के बाद अंतत: दो व्यक्तियों को अंतिम साक्षात्कार के लिये चुना गया है जिनमें से आप किसी एक को रख सकते हैं। दोनों में से पहला व्यक्ति 'क' बेहद ईमानदार है, पर दक्ष व कुशल नहीं है। इसके विपरीत, दूसरा व्यक्ति 'ख' अत्यधिक दक्ष व कुशल है पर उसकी ईमानदारी पर विश्वास करना संभव नहीं है। ऐसी स्थिति में आप क्या निर्णय लेंगे:

   (a) नियुक्ति प्रक्रिया को स्थगित करके पुन: आवेदन आमंत्रित करेंगे।
   (b) 'क' को चुन लेंगे क्योंकि उसे प्रशिक्षण व अनुभव देकर दक्ष बनाया जा सकता है।
   (c) 'ख' को चुन लेंगे क्योंकि उसे उचित माहौल व पर्याप्त चौकसी के अंतर्गत ईमानदार बनाए रखा जा सकता है।
   (d) किसी को भी नहीं चुनेंगे क्योंकि दोनों ही प्रशासन के लिये बोझ साबित होंगे, न कि लाभप्रद।

3. आप एक ऐसे शहर के ज़िलाधिकारी हैं जहाँ विभिन्न धर्मों के लोग एकदम साथ-साथ रहते हैं। संयोग से इस वर्ष महावीर जयंती और बकरीद के पर्व एक ही दिन पड़ गए हैं। जैन साधुओं को महावीर जयंती के दिन बलि तथा हिंसा के होने से गंभीर समस्या है जबकि मुस्लिम समुदाय के लोग अपने पर्व को लेकर प्रतिबद्ध हैं। सामाजिक समरसता को बनाए रखने के लिये आप क्या करेंगे?

   (a) दोनों धर्मों के प्रतिनिधियों से मिलकर प्रयास करेंगे कि किसी एक के त्योहार की तिथि बदल जाए।
   (b) दोनों धर्मों के लोगों को शहर के अलग-अलग हिस्सों में अपना पर्व मनाने के लिये मनाएंगे ताकि तनाव न हो।
   (c) दोनों धर्मों के नेताओं को समझाएंगे कि धार्मिक कार्यक्रमों का समय कुछ आगे पीछे इस प्रकार निर्धारित करें कि एक समय में परस्पर विपरीत घटनाएँ न दिखें जिससे तनाव न भड़के और शांति बनी रहे।
   (d) चूँकि मामला धार्मिक है, इसलिये धर्मनिरपेक्ष राज्य के सिविल सेवक होने के नाते इससे दूर ही रहेंगे।

4. मान लीजिये कि आप एक अविवाहित लड़की हैं और किसी ऐसे व्यक्ति से प्रेम करती हैं जो किसी दूसरे धर्म को मानता है। आप धर्म अलग होने के बावजूद उससे विवाह करने की गहरी इच्छा रखती हैं। वह व्यक्ति भी इसके लिये तैयार है किंतु उसकी शर्त है कि आप उसके धर्म को अपनाएँ ताकि उसके समाज व परिवार में विवाहित युगल को स्वीकृति मिल सकें आप इस स्थिति में निम्नलिखित निर्णयों में से कौन-सा निर्णय लेना उचित समझेंगी?

   (a) चूँकि आप प्रकृति से धर्मनिरपेक्ष हैं, इसलिये धर्म से आपको फर्क नहीं पड़ता। इसलिये आप धर्म बदल लेंगी।

PART-III

एक प्रशासक को तर्कों का विश्लेषण, मूल्यांकन, निर्माण और खंडन करना आना ही चाहिये। एक प्रशासक को इस बात को पहचानने में सक्षम होना आवश्यक है कि किसी विषय अथवा तर्क के लिये कौन-सी सूचना प्रासंगिक है तथा भावी साक्ष्यों का क्या प्रभाव हो सकता है। उनके लिये विरोधी पक्षों में सामंजस्य स्थापित करना और दूसरों को समझाने के लिये तर्कों का प्रयोग करना आवश्यक है।

विश्लेषणात्मक प्रकार के प्रश्न विश्लेषण, समालोचनात्मक मूल्यांकन और पूर्ण तर्क की क्षमता का मूल्यांकन करते हैं, क्योंकि वे साधारण भाषा में ही होते हैं। ये प्रश्न समाचार पत्र, सामान्य रुचि की पत्रिकाओं, वैज्ञानिक प्रकाशनों, विज्ञापनों और अनौपचारिक बातचीत जैसे विविध स्रोतों से प्राप्त तर्कों पर आधारित होते हैं।

विश्लेषणात्मक तर्कशक्ति में ऐसे प्रश्न तैयार किये जाते हैं, जो समालोचनात्मक ढंग से सोचने के विभिन्न कौशलों का मूल्यांकन करते हैं और जिनका मुख्य बल विश्लेषणात्मक तर्कशक्ति के मुख्य कौशल पर होता है।

इन कौशलों में शामिल होते हैं–

- किसी तार्किक कथन के विभिन्न तत्त्वों एवं उनके संबंधों को पहचानना।
- तर्कशक्ति के विभिन्न स्वरूपों के बीच समानताएँ एवं भिन्नताएँ पहचानना।
- यथोचित समर्थित निष्कर्ष निकालना।
- अनुरूपता/समरूपता द्वारा तार्किक विवेचन।
- गलतफहमियों अथवा असहमति के बिंदुओं को पहचानना।
- इस बात को सुनिश्चित करना कि अतिरिक्त साक्ष्य, किसी तार्किक कथन को किस प्रकार प्रभावित करते हैं।
- किसी तार्किक कथन द्वारा जनित मान्यताओं को खोज निकालना।
- सिद्धांतों अथवा नियमों को पहचानना और लागू करना।
- तार्किक कथनों में विद्यमान त्रुटियाँ पहचानना।
- स्पष्टीकरणों को पहचानना।

आइये प्रश्नों के विभिन्न प्रकारों को विस्तार रूप में समझते हैं।

पूर्वधारणा पर आधारित निर्णयन

पूर्वधारणा आधारित समस्या में किसी उत्प्रेरक तार्किक कथन के तर्क में लुप्त कड़ी को पहचानने के लिये कहा जाता है।

कुछ उदाहरण स्वरूप प्रश्नाधार इस प्रकार हैं–

1. निम्नलिखित में से कौन-सा तर्क, यदि मान लिया जाए, कथन का निष्कर्ष पूर्ण रूप से निकालने में सहायक होगा?
2. निम्नलिखित में से कौन-सी वह पूर्वधारणा है, जिस पर कथन निर्भर करता है?
3. निम्नलिखित में से किसे मान लिया जाए तो उपर्युक्त अंतिम निष्कर्ष तार्किक रूप से सही होगा?
4. उपर्युक्त कथन में आधिकारिक रूप से किया गया दावा इस पूर्व कल्पना पर निर्भर करेगा कि
5. निम्नलिखित में से कौन-सी एक पूर्वधारणा है, जिस पर तर्क निर्भर करता है?

अपुष्टकारी

1. निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प, यदि सही हो, उपर्युक्त कथन को सर्वाधिक अपुष्ट करेगा?
2. परिच्छेद के अंत में की गई भविष्यवाणी सर्वाधिक गंभीर सवाल खड़ा करेगी, यदि यह सत्य हो कि-
3. निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प, यदि सत्य हो, अनुसंधानकर्त्ता के कथन को सर्वाधिक पुष्ट करेगा?
4. निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प, यदि सत्य हो, इस कथन पर सर्वाधिक सवाल खड़ा करेगा कि...?
5. निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प, यदि सत्य हो, निष्कर्ष को सर्वाधिक अपुष्ट करेगा?
6. निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प, यदि सत्य हो, लेखक के निष्कर्ष के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती होगा?

पुष्टकारी

1. निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प, यदि सिद्ध हो जाए, गद्यांश द्वारा प्रोन्नत अवस्था को सर्वाधिक न्यायसंगत ठहराता है?
2. निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प, यदि सत्य हो, प्रस्ताव के पक्ष में सर्वोत्तम कारण प्रस्तुत करता है?
3. निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प, यदि सत्य हो, कथन को सर्वाधिक पुष्ट करता है?
4. निम्नलिखित में से कौन-सा सिद्धांत, यदि वैध हो, वैज्ञानिक तर्क को न्यायसंगत सिद्ध करने में सर्वाधिक मददगार होगा?
5. निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प, यदि सत्य हो, यह दावा करने में सर्वाधिक सहायक सिद्ध होगा कि....?
6. निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प, यदि सत्य हो, प्रस्ताव को सर्वाधिक समर्थन प्रदान करता है?

डी.एल.पी. बुकलेट्स की विशेषताएँ

- आयोग के नवीनतम पैटर्न पर आधारित अध्ययन सामग्री।
- पैराग्राफ, बुलेट फॉर्म, सारणी, फ्लोचार्ट तथा मानचित्र का उपयुक्त समावेश।
- विषयवस्तु की सरलता, प्रामाणिकता तथा परीक्षा की दृष्टि से उपयोगिता पर विशेष ध्यान।
- क्विक रिवीजन हेतु प्रत्येक अध्याय में महत्त्वपूर्ण तथ्यों का संकलन।
- प्रत्येक अध्याय के अंत में विगत वर्षों में पूछे गए एवं संभावित प्रश्नों का समावेश।

Website : www.drishtiIAS.com
E-mail : online@groupdrishti.com

DrishtiIAS
YouTube Drishti IAS
drishtiias
drishtithevisionfoundation

641, First Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-110009
Phones : +91-8448485520, 011-47532596